नईदुनिया

एआई से बदल रहा विज्ञापन उद्योग, भारत वैश्विक एडटेक हब बनने की ओर अग्रसर : रिपोर्ट

नई दिल्ली

हालिया रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वैश्विक विज्ञापन उद्योग को तेजी से नया रुप दे रहा है और भारत को दुनिया की अग्रणी एडटेक (विज्ञापन प्रौद्योगिकी) कंपनियों का केंद्र बनने की राह पर अग्रसर कर रहा है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि एआई विज्ञापनों को अधिक स्वचालित, डेटा-आधारित और परिणाम-केंद्रित माडल की ओर ले जा रहा है, जिसमें भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1 ट्रिलियन डालर से अधिक के वैश्विक विज्ञापन बाजार में एआई अब मीडिया खरीद, क्रिएटिव कंटेंट निर्माण, प्रदर्शन मापन, ई-कामर्स और ग्राहकों को लक्षित करने सहित विज्ञापन उद्योग की करीब हर प्रमुख प्रक्रिया को क्रांतिकारी ढंग से बदल रहा है। वैश्विक विज्ञापन खर्च का करीब 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा अब डिजिटल माध्यमों का है, जिसमें से 80 से 85 प्रतिशत डिजिटल विज्ञापन पहले से ही प्रोग्रामैटिक तकनीक के माध्यम से संचालित हो रहे हैं।

भारत की मजबूत इंजीनियरिंग क्षमता और तकनीकी कौशल इस बदलाव का आधार बन रहा है। देश में प्रति वर्ष करीब 27 लाख इंजीनियरिंग और टेक्नोलाजी छात्र नामांकित होते हैं, साथ ही 2 करोड़ से 2.4 करोड़ गिटहब डेवलपर्स और करीब 1,900 ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) मौजूद हैं।

यह विशाल प्रतिभा पूल एआई-आधारित उत्पाद विकास को बढ़ावा देने में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। अनुमान है कि भारत का डिजिटल विज्ञापन बाजार 2025 में लगभग 21 अरब डालर से बढ़कर 2030 तक 33 अरब डालर से 42 अरब डालर के बीच पहुंच सकता है, जो एआई आधारित नवाचार को और गति देगा। बाजार जानकार ने इस बदलाव पर जोर देकर कहा, एआई विज्ञापन उद्योग में केवल एक नई परत नहीं जोड़ रहा, बल्कि पूरे सिस्टम को एक साथ नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। उन्होंने बताया कि मशीन लर्निंग-आधारित बोली प्रणाली, आइडेंटिटी ग्राफ और एजेंटिक विज्ञापन ढांचे जैसी तकनीकों के लिए आवश्यक इंजीनियरिंग क्षमता भारत ने पिछले तीन दशकों में विकसित की है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र सरकार ने एनएचपीसी में अपनी हिस्सेदारी बेचकर जुटाए 4,300 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र का नवरत्न उपक्रम एनएचपीसी लिमिटेड में बिक्री पेशकश (ओएफएस) के आखिरी दिन बुधवार को अपनी हिस्सेदारी बेचकर लगभग 4,300 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। बाम्बे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 60.27 करोड़ शेयरों के बिक्री पेशकश (ओएफएस) के मुकाबले कुल 151.33 करोड़ शेयरों के लिए बोली प्राप्त हुई। इस ओएफएस में सरकार की तीन फीसदी हिस्सेदारी की पेशकश शामिल थी, जबकि तीन फीसदी ग्रीन शू विकल्प यानी अतिरिक्त बोली आने पर उसे अपने पास रखने का विकल्प रखा गया था। सरकार ने सोमवार को घोषणा की थी कि वह एनएचपीसी लिमिटेड में छह फीसदी तक की हिस्सेदारी आफर फार सेल ओएफएस के जरिए बेचेगी। इसके लिए न्यूनतम मूल्य ब्रिकी मूल्य 71 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में किसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का यह तीसरा ओएफएस था। पिछले हफ़्ते सरकार ने ओएफस के जरिए कोल इंडिया में 2 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 5,542 करोड़ रुपये जुटाए। वहीं, मई में उसने सेंट्रल बैंक आफ इंडिया में 8.08 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 2,266 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस तरह कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक विनिवेश से सरकार को मिली रकम 7,808 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में विनिवेश और एसेट मोनेटाइजेशन के जरिए 80 हजार करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के संशोधित बजट अनुमानों के अनुसार 33,837 करोड़ रुपये से दोगुने से भी ज्यादा है ।

एसबीआई कार्ड का फैसला, फोनपे क्रेडिट कार्ड रिवार्ड पाइंट्स में होगी कटौती

नई दिल्ली। एसबीआई कार्ड ने अपने फोनपे एसबीआई क्रेडिट पर्पल और सलेक्ट ब्लैक

कार्डधारकों के लिए रिवार्ड पाइंट्स सिस्टम में अहम बदलावों की घोषणा की है। ये नए नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे, जिसके तहत ग्राहकों को विभिन्न खर्चों पर मिलने वाले रिवार्ड पाइंट्स में कटौती या कुछ कैटेगरी में पूरी तरह से समाप्ति का सामना करना पड़ेगा। इन बदलावों का सीधा असर उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो क्रेडिट कार्ड से बिल पेमेंट, इंश्योरेंस, आनलाइन शापिंग और अन्य खर्चों पर रिवार्ड पाइंट्स कमाते हैं। पर्पल कार्डधारकों के लिए फोनपे खर्चों पर मासिक रिवार्ड पाइंट्स की सीमा घटाई गई है। अब बीमा संबंधी खर्चों पर अधिकतम 250 पाइंट्स और अन्य फोनपे खर्चों पर 750 पाइंट्स ही मिलेंगे। इसके अलावा, आनलाइन शापिंग पर मिलने वाले कुल पाइंट्स को भी 1,000 से घटाकर 750 कर दिया गया है। इसी तरह सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों के लिए भी नियम बदले हैं। फोनपे खर्चों पर पहले जहां 2,000 पाइंट्स मिलते थे, अब बीमा पर 500 और अन्य फोनपे ट्रांजैक्शन्स पर 1,500 पाइंट्स की सीमा तय की गई है। आनलाइन खर्चों पर मिलने वाले पाइंट्स को भी 2,000 से घटाकर 1,000 कर दिया गया है।

केरल पर गंभीर वित्तीय संकट, कर्ज 5 लाख करोड़ पार

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में एक गंभीर वित्तीय स्थिति रिपोर्ट (श्वेत पत्र) पेश की, जिसमें राज्य पर 5.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल कर्ज और लगभग 49,000 करोड़ रुपये के लंबित भुगतान उजागर हुए हैं। पूर्व कैबिनेट सचिव के. एम. चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा तैयार यह रिपोर्ट बताती है कि बढ़ते कर्ज और देनदारियों के कारण विकास व बुनियादी ढांचे में निवेश की क्षमता सीमित हो गई है। वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान कुल राजस्व प्राप्तियों का 77 फीसदी हिस्सा खर्च कर देते हैं, जबकि पूंजीगत व्यय सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का मात्र 1.3 फीसदी है, जो देश में सबसे कम है। रिपोर्ट ने केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के लगभग 21,000 करोड़ रुपये के ऋण पर भी चिंता जताई है, जिसे अंततः राज्य सरकार को ही चुकाना होगा। यह गंभीर वित्तीय चुनौती राज्य के लिए विकास परियोजनाओं को बाधित कर रही है और दैनिक नकदी जरूरतों के लिए आरबीआई की आपात उधारी पर निर्भरता बढ़ा रही है ।

सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च हुआ वाह केमिकल्स का आईपीओ, आठ जून तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले केमिकल का उत्पादन करने वाली कंपनी वाह केमिकल्स का 13.45 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में आठ जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद नौ जून को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 10 जून को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 11 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 60 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लाट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 22.42 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 1.14 लाख शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.46 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.46 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.08 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए मारवाड़ी चंदाराणा इंटरमीडियरीज ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं मानसी शेयर एंड स्टाक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। वाह केमिकल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 2.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 5.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 23.75 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 43.19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में मामूली बढ़ोतरी हुई।

वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी पर 11.25 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 11.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में ये 6.87 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2025-26 में बढ़ कर 14.92 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में ये 1.50 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2025-26 में बढ़ कर 8.85 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2024-25 में 4.68 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2025-26 में बढ़ कर 8.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

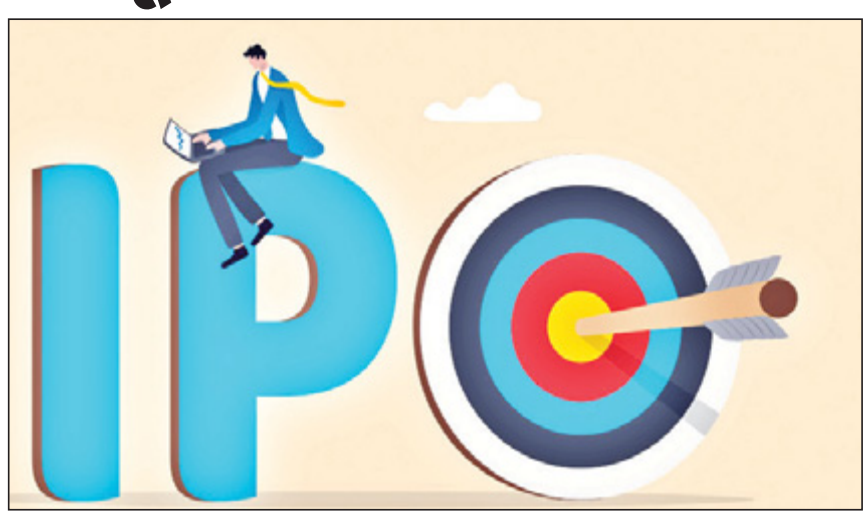

वैश्विक दबाव से महंगी हुई दवाएं, मरीजों पर बढ़ा बोझ, नए स्टाक 8 से 17 फीसदी तक महंगे

मुंबई। वैश्विक महंगाई और बाधित सप्लाई चेन का असर अब आम आदमी की सेहत पर भी दिखने लगा है। कच्चे माल, पैकेजिंग व समुद्री परिवहन लागत में उछाल से दवा कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ी है। इसका सीधा असर नए दवा स्टाक पर पड़ा है, जहां कई आवश्यक दवाओं की कीमतें 8 से 17 फीसदी तक बढ़ गई हैं, जिससे मरीजों के मासिक खर्च में बढ़ोतरी की आशंका है। विशेषज्ञों के अनुसार, पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, सेफालोस्पोरिन जैसी दवाओं के निर्माण में प्रयुक्त एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट और पेट्रोकेमिकल आधारित कच्चे माल की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में 40 से 60 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, दवाओं की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक और एल्युमीनियम भी महंगे हुए हैं। इस वृद्धि का असर पुराने स्टाक पर सीमित है, लेकिन नए बैच की दवाएं अब अधिक कीमत पर मिल रही हैं, खासकर एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक। फार्मा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल और परिवहन लागत में जल्द राहत नहीं मिली, तो भविष्य में कई और दवाओं की कीमतें बढ़ेंगी।

वेदांता ने पांच वर्षों में 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन किया कम

नई दिल्ली

नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और सघन वनीकरण से हासिल की उपलब्धि

वेदांता समूह के लौह अयस्क खनन और इस्पात कारोबार ने पिछले पांच वर्षों में अपनी स्थिरता पहलों के माध्यम से लगभग 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी या अवशोषण कर पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह कदम भारी उद्योगों के डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों और राष्ट्रीय व वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप है।

कंपनी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर कम-कार्बन भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। वेदांता के प्रयासों में स्वच्छ प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रमुख है, जहां विद्युत चालित यात्री वाहन, लोडर और फोर्कलिफ्ट के इस्तेमाल से प्रति वर्ष लगभग 800 किलोलीटर डीजल की बचत हुई।

सतत परिवहन व्यवस्था के तहत जलमार्ग पोत संचालन ने 2.1 लाख ट्रक यात्राओं को कम करके 1.08 करोड़ लीटर डीजल और लगभग 28,900 टन कार्बन डाइआक्साइड की बचत की। ऊर्जा दक्षता में अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति के माध्यम से 100 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित की गई, जिससे 2.4 मिलियन टन कार्बन डाइआक्साइड उत्सर्जन से बचाव हुआ।

पर्यावरण पुनर्स्थापन के तहत, गोवा की पुनर्वास खदान सहित अन्य स्थानों पर कुल 11 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए हैं, जो हर साल हजारों टन सीओ2 अवशोषित करते हैं। बोकारो इस्पात संयंत्र में एलपीजी के स्थान पर प्राकृतिक गैस का उपयोग सालाना लगभग 1,500 टन सीओ2 उत्सर्जन को कम करेगा। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि टिकाऊ भविष्य के लिए उद्योगों को ऊर्जा उपयोग, परिवहन और पर्यावरण के साथ अपने संबंधों पर नए सिरे से विचार करना होगा।

टेक एक्पो में कई चीनी कंपनियों ने अपनी उत्पाद पेश किये

इस्तांबुल । तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में एक्सपो सेंटर में चीनी कंपनी के हयूमेनोइट रोबोट को देखते हुए लोग। इस टेक एक्पो में कई चीनी कंपनियों ने अपनी उत्पाद पेश किये हैं।

लगातार तीसरे दिन सपाट स्तर पर सर्राफा बाजार सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,56,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बना दबाव

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका के कारण ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं, एशियाई बाजार में भी आमतौर पर कमजोरी का रुख बना हुआ है।

पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव और फाइनेंशियल तथा टेक स्टाक्स में हुई जोरदार बिकवाली के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 620.72 अंक यानी 1.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 50,687.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,553.68 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक

239.93 अंक यानी 0.89 प्रतिशत टूट कर 26,853.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 50,728.46 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,332.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,150.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 328.23 अंक यानी 1.32 प्रतिशत लुढ़क कर 24,795.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,597.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,318 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत टूट कर 4,066.56 अंक के स्तर तक गिर गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 214.35 अंक यानी 3.61 प्रतिशत फिसल कर 5,726.72 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 410.21 अंक यानी 1.60 प्रतिशत लुढ़क कर 25,223 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 1,042.13 अंक यानी 1.52 प्रतिशत टूट कर 67,360 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। वहीं स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,071.61 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 473.42 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 45,985.74 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.57 प्रतिशत टूट कर 8,751.76 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।